दिनांक **10 अगस्त 2022** को दयानन्द सुभाष नेशनल पी .जी.कालेज,उन्नाव में आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक समिति द्वारा दिनांक 8 से 10 अगस्त 2022 तक चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत **क्विज और पोस्टर- स्लोगन प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने अपनी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो . आनन्द शुक्ला ने कहा कि पाठ्य- सहगामी क्रियाओं से आशय उन क्रियाओं से है जो पाठ्यक्रम के साथ- साथ विद्यालय में करायी जाती है। इन क्रियाओं का उतना ही महत्व है , जितना कि कक्षा में पढ़ायी जाने वाली पाठ्य-वस्तु का है विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में ये क्रियाएं मजबूती प्रदान करती है जिससे आगे चलकर विद्यार्थी अपने समाज को अपना सर्वोत्तम दे सकते हैं।

सांस्कृतिक समिति के प्रभारी डॉ. सुदर्शन सिंह ने बताया कि पाठ्य- सहगामी क्रियाओं के लाभों को उचित और प्रभावशाली ढंग से उठाने के लिए आवश्यक है कि क्रियाओं में विविधता और व्यापकता होनी चाहिए , जिससे प्रत्येक छात्र अपनी रूचि के अनुकूल क्रियाओं का चयन कर सकें,क्रियाएँ आवश्यकता से अधिक भी न हों,अधिक व्ययपूर्ण क्रियाओं को स्थान नहीं दिया जाए ,उन पाठ्य-सहगामी क्रियाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए जिनका शिक्षा सम्बन्धी अधिक महत्व हो ,क्रियाएँ साध्य न होकर साधन हों ,क्रियाओं के चयन में स्थानीय वातावरण का विशेष ध्यान रखा जाय।

कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति की सदस्या डॉ .आकांक्षा श्रीवास्तव ने किया।सांस्कृतिक समिति के सदस्यगण डॉ राकेश चौरसिया ,डॉ गीता श्रीवास्तव ,डॉ शुभा द्विवेदी एवं डॉ अरविन्द मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं व् छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

बी.एड. विभाग शिक्षण मण्डल
डॉ.ममता चतुर्वेदी
डॉ.सुनील कुमार
डॉ.जुगल कुमार
डॉ.विपिन सिंह
डॉ.गीता श्रीवास्तव